ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८ १२५

बुलेटिन संख्या-५०
दिनांक-मंगलवार,२५ जून,२०१६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३६.४ एवं २६.७ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८४ सुबह में एवं दोपहर में ४८ प्रतिशत, हवा की औसत गति ६.० कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ६.८ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ८.४ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में ३१.५ एवं दोपहर में ४०.३ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में १०.० मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(२६-२९ जून,२०१६)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी २६-२९ जून, २०१६ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के से मध्यम बादल छाये रह सकते हैं। अगले २४ से ४८ घंटों में तराई के जिलों जैसे पूर्वी व पश्चिमी चंपारण, सीतामढ़ी, शिवहर एवं मधुबनी में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम वर्षा होने का अनुमान है। अगले २९ जून तक उत्तर बिहार के मैदानी जिलों में मौसम आमतौर पर शुष्क रहने की संभावना है। हलाँकि १-२ स्थानों पर इस दौरान बूंदा-बूंदी या हल्की वर्षा हो सकती है।
- अधिकतम तापमान ३६ से ४० डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान २५ से २८ डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन ८ से १२ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पूरवा हवा चल सकती है। मैदानी जिलों के कुछ स्थानों पर अगले १-२ दिन पछिया हवा चल सकती है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ८० से ८५ प्रतिशत तथा दोपहर में ५० से ५५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- वर्षा की संभावना को देखते हुए कृषक भाई मक्का की कटाई, दौनी तथा अनाज सुखाने के कार्य में सर्तकता बरतें।
- उचॅास जमीन में बरसाती सब्जियाँ जैसे- भिंडी, लौकी, नेनुआ, करैला, खीरा की बुआई करें। गरमा सब्जियों की फसल में कीट-व्याधियों की निगरानी करते रहें।
- पशु चारा के लिए ज्वार, बाजरा तथा मक्का की बुआई करें। इसके साथ मेथ, लोबिया तथा राईस बीन की बुआई करें।
- विगत पूर्वानूमान की अवधि में उत्तर बिहार में हल्की से मध्यम वर्षा हुई है। जिससे खेतों में प्रयाप्त नमी आ गई है। इसका लाभ उठाते हुए प्राथमिकता देकर धान के अगात किस्मों जैसे- प्रभात, धनलक्ष्मी, रिछारिया, साकेत-४, राजेन्द्र भगवती के बिचड़ो को नर्सरी में गिरावें। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु ८००- १००० बर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिरावें। नर्सरी में क्यारी की चौराई १.२५-१.५ मीटर तथा लम्बाई सुविधा अनुसार रखें। बीज को बविस्टिन २ ग्राम प्रति किलो की दर से मिलाकर बीजोपचार करें।
- मध्यम अवधि के धान के किस्मो जैसे- संतोष, सीता, सरोज, राजेन्द्र सुवासनी, राजेन्द्र कस्तुरी, कामिनी, सुगंधा के बिचड़ो को बीजस्थली में गिराने का कार्य ३० जून तक सम्पन्न कर लें। धान की बीजस्थली में जो बिचड़े १० से १५ दिनो के हो गये हो, में खर-पतवार निकालने का कार्य करें।
- तिल की बुआई करें। कृष्णा, काँके सफेद, कालिका और प्रगति तिल की अनुशंसित किस्में हैं। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर ६० किवन्टल कम्पोस्ट, २० किलो नेत्रजन, २० किलो स्फुर एवं २० किलो पोटाश का व्यवहार करें। बीज दर ४ कि०ग्रा० प्रति हेक्टेयर तथा कतार से कतार एवं पौध से पौध की दुरी ३० से०मी० x १० से०मी० रखें। २.० ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज को उपचारित कर बुआई करे।
- खरीफ मक्का की सुआन, देवकी, शक्तिमान-१, शक्तिमान-२, राजेन्द्र संकर मक्का-३, गंगा-११ किस्मों की बुआई अतिशीघ्र संपन्न करें। खेत की जुताई में प्रति हेक्टेयर १० से १५ टन गोबर की सड़ी खाद, ३० किलो नेत्रजन, ६० किलो स्फुर एवं ५० किलो पोटाश का व्यवहार करें। इसके लिए प्रति किग्रा० बीज को २.५ ग्राम थीरम द्वारा उपचारीत कर बुआई करें। बीज दर २० किग्रा० प्रति हेक्टेयर रखें।
- खरीफ प्याज की नर्सरी प्राथमिकता से गिरावें। नर्सरी में जल निकास की व्यवस्था रखें। एन०-५३, एग्रीफाउण्ड डॉक रेड, अर्का कल्याण, भीमा सुपर खरीफ प्याज के लिए अनुशंसित किस्में है। बीज को केप्टन या थीरम/ २ ग्राम प्रति किलो बीज की दर से मिलाकर बीजोपचार कर लें। पौधशाला को तेज धूप एवं वर्षा से बचाने के लिए ४०% छायादार नेट से ६-७ फीट की ऊचाई पर ढ़क सकते है। प्याज के स्वस्थ पौध के लिए पौधशाला से नियमित रूप से खरपतवार को निकालते रहें।
- अरहर एवं सुर्यमुखी की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। खेत की जुताई में गोबर की खाद/कम्पोस्ट का अधिक से अधिक प्रयोग करें। यह भूमि की जलधारण क्षमता एवं पोषक तत्व की मात्रा बढ़ाती है।
- इस माह में आम, लीची, आदि वृक्षें के लिए खोदे गये गड्ढों में मिट्टी के साथ अनुशंसित मात्रा में खाद, उर्वरक एवं थिमेट दे कर ऊपर तक भरने का कार्य कर लें।
- किसान भाई गौशाला में रात के समय नीम की पत्तियों का धुआं करें ताकि मच्छर तथा मक्खियों के प्रवेश पर नियंत्रण हो सके। पशुओ के निवास स्थान की साफ-सफाई करते रहे।

आज का अधिकतम तापमानः ४१.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ७.० डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः २९.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ३.२ डिग्री सेल्सियस अधिक

नोडल पदाधिकारी